हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 20.0 डिग्री

11 मंडियों में किसानों को नहीं आने दी जाएगी....

11 जीवन में सुख चाहने वाले प्रत्येक मनुष्य को यज्ञ...

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज

जींद। गांव दनौदा कलां से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामना दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव दनौदा कलां निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 21 अप्रैल को उसकी 20 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई।

हैफेड के गोदाम से चावल के 14 बैग चोरी

कैथल। कलायत के कैलरम गांव में हैफेड के एक गोदाम चावल के 14 बैग चोरी कर लिए गए। इस मामले में कलायत थाना की पुलिस ने हैफेड के गोदाम की देखरेख कर रही कंपनी के कर्मी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कलायत थाना में दी गई शिकायत में गुरुग्राम के मि. ओरिगो कमोडिटीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के क्लस्टर ऑफिसर नितिन कुमार ने बताया।

एजेंसी का ताला तोड़कर नकदी और सामान चोरी

जींद। इलेक्ट्रिक बाइक एजेंसी का ताला तोड़ कर चोरों ने नगदी, एलईडी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
गांव बडनपुर निवासी दलबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नरवाना में ई बाइक की एजेंसी है।

दुकान से चोरी करने का आरोपित गिरफ्तार

कैथल। गांव कुराड़ स्थित एक दुकान से सामान चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एचसी ईशम सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी टोहाना निवासी विक्की को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुराड़ निवासी सचिन की शिकायत दी थी।

घर में घुस नाबालिग से अश्लील हरकत, केस

जींद। सदर थाना नरवाना इलाका गांव में घर में घुस कर बालिका के साथ अश्लील हरकत करने तथा धमकी देने पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
सदर थाना नरवाना इलाका गांव की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात दस वर्षीय बेटी अलग कमरे मे सोई हुई थी। देर रात को गांव का ही मोनू कमरे मे घुस आया और अश्लील हरकत करने लगा।

पोक्सो एक्ट के मामले में आरोपित को किया बरी

कैथल। अतिरिक्त सेशन जज अनुपामिश मोदी ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के एक मामले में आरोपी को दोष मुक्त करते हुए बरी कर दिया है। आरोपी पर एक 16 साल की नाबालिग 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का आरोप था। इस बारे में लडकी के पिता ने 21 अक्टूबर 2022 को थाना शहर में धारा 376(3), 506 आईपीसी और पोक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत मुकदमा नंबर 550 दर्ज करवाया था।

झगड़े में 3 घायल, दस के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव गांगोली में थाने में शिकायत दी तो आरोपितों ने घर में घुस हमला कर तीन लोगों को घायल कर दिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर दस लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कैथलः मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। राजौंद के पुंडरी रोड पर हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। राजौंद के महिपाल ने राजोंद पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 25 अप्रैल को जब वह पुंडरी रोड से जा रहा था तो संदीप, गौतम, कुलदीप, वनिता और पूनम ने मिलकर मारपीट की।

हीट वेव को लेकर जारी किया येलो अलर्ट, मौसम परिवर्तनशील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भीष्ण गर्मी के बीच शुक्रवार दोपहर बाद मौसम ने करवट ली। जिसके चलते आकाश में बादलों के साथ धूल जमा दिखाई दी। जिसके चलते आंधी के आसार बन गए। मौसम के बदले तेवरों ने जरूर चिंता को बढा दिया। लाखों क्विंटल गेहूं मंडियों में खुले आसमां तले पड़ा हुआ है। गेहूं की आवक भी हो रही है। ऐसे हालात में मौसम खराब होता है तो नुकसानदायक होगा। शनिवार को अधिकतम 41 व न्यूनतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 21 % तथा हवा की गति दस किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मौसम शुष्क तथा परिवर्तनशील बने रहने की संभावना है।

मौसम ने ली करवट, बादलों के साथ आकाश में धूल जमा लाखों क्विंटल गेहूं पड़ा खुले आसमां तले, किसान चिंतित

जरूरी अहतियात बरते जिलावासी : डीसी

गर्मियों का मौसम अपने चरम पर है और तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में लू जैसी गंभीर स्थिति से लोगों को बचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने आमजन से अपील की है कि गर्मी के इस विकट मौसम में विशेष एहतियात बरतें और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करें। तेज गर्म हवाएं यानी हीट वेव शरीर पर गहरा असर डाल सकती हैं। इससे शरीर में पानी की कमी, चक्कर आना, उल्टी, सिरदर्द, बुखार, हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये लक्षण कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम खुद को और अपने परिवार को इन खतरों से सुरक्षित रखने के लिए कुछ आसान लेकिन असरदार उपाय अपनाएं। डीसी ने बताया कि गर्मी में सबसे जरूरी हैए खुद को हाइड्रेटेड रखना। दिनभर में बार-बार पानी पिएं ए चाहे प्यास लगी हो या नहीं। साथ ही नारियल पानी, नींबू पानीरु छाछ और ओआरएस जैसे प्राकृतिक पेय शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करते हैं।

जींद। शाम के समय आसमान में छाई धूल। फोटो :हरिभूमि

दोपहर तक भीष्ण गर्मी व बाद में आंधी के बने आसारः शनिवार को दिन का आगाज साफ मौसम के साथ हुआ। दिन चढने के मौसम का मिजाज काफी गर्म हो गया। दोपहर हीट वेव चलने लगी। सड़कों तथा बाजार में वीरानगी नजर आई। बाद में मौसम ने करवट ली। आकाश में बादलों के साथ धूल जमा दिखाई दी। जिसके चलते आंधी के आसार बन गए। बावजूद इसके मौसम काफी गर्म रहा।

छह लाख चार हजार 198 मीट्रिक टन अनाज की आवक हो चुकी

गेहूं की सीजन अपने चरम पर है। जिले की मंडियों में अबतक छह लाख चार हजार 198 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। जबकि अबतक महज दो लाख 70 हजार 510 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो पाया है। जो की आवक का लगभग 45 प्रतिशत है। 55 प्रतिशत गेहूं अभी भी मंडियों में खुले आसमां के नीचे पड़ी हुई है। यह भी साफ है कि उठान का कार्य काफी धीमा है। अगर ऐसे हालातों में बारिश होती है तो गेहूं फसल को काफी नुकसान होगा। मौसम वैज्ञानिक डा राजेश ने बताया कि मौसम शुष्क तथा परिवर्तनशील बना है। हीट वेव का भी यलो अर्लट जारी हुआ है। हवा के साथ धूल उड़ने की सभावना है। तापमान में इजाफा की संभावना है।

राजौद। गेहूं उठान को लेकर रोष जताते में आढ़ती। फोटो :हरिभूमि

गेहूं का उठान धीमी गति से होने के कारण किसान दुःखी

- साढे पांच लाख से मात्र 70,000 कट्टो का ही उठान अभी तक हो पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद अनाज मंडी में गेहूं का उठान धीमी गति से होने को लेकर आढ़तियों व मजदूरों तथा किसानों ने रोष जताया है। राजौंद अनाज मंडी में गेहूं के अंबार लगे हुए हैं। पूरी मंडी गेहूं से भरी पड़ी है,लेकिन उठान नहीं हो रहा जिसे लेकर आढ़तियों व किसानों तथा मजदूरों ने रोष प्रकट किया है। आढ़तियों ने बताया कि लगभग 15 दिन से उठान का कार्य न मात्र हो रहा है। राजौंद अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान महिपाल राणा ने बताया कि राजौंद अनाज मंडी में साढे 5 लाख कट्टे गेहूं के आ चुके हैं। जिनमें से मात्र 70,000 कट्टो का ही उठान अभी तक हो पाया है। दूसरा किसानों की पेमेंट ना आने से किसान उन पर पेमेंट लेने के लिए दबाव बना रहे हैं। जबकि गेहूं अभी तक मंडी में ही पड़ी है। उन्होंने कहा कि गेहूं उठान के 72 घंटे बाद किसानों के खाते में पेमेंट आती है लेकिन 15 दिन से अभी गेहूं मंडी में ही पड़ी है ऐसे में किसान को पैसे कहां से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि इस बारे एसडीएम कैथल से भी मिले थे लेकिन गेहूं उठान में कोई सुधार नहीं हुआ। पूरी मंडी गेहूं की बोरियों व खुले गेहूं से भरी पड़ी है। उधर प्रवासी मजदूरों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि 15 दिन से वह खाली बैठे हैं एक दो गाड़ी बड़ी मुश्किल से दिन में आती है और 300 मजदूरों को 100 से 150 रुपए तक ही प्रतिदिन बन पाते हैं ऐसे में वह अपना गुजारा कैसे करें और अपने परिवार को क्या भेजेंगे। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि गेहूं की लिफ्टिंग का कार्य शीघ्र बढ़ाया जाए।

जींद। रोष जताते विहिप कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

जमकर नारेबाजी कर जताया रोष

जींद। विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने कश्मीर में 27 हिंदुओं की निर्मम हत्या के विरोध में रानी तालाब चौक पर प्रदर्शन किया और आतंकवादी विरोधी ताकतों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन में पूरा संघ परिवार, सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे।प्रदर्शनकारी हिंदू संगठनों को संबोधित करते हुए विहिप जिलाध्यक्ष सुशील सिंगला ने कहा कि आज आंतकवाद पुनः सिर उठा रहा है। हिंदू हर जगह प्रताड़ित हो रहा है। इस्लामिक आंतकवादियों ने धर्म पूछ कर हमारी 27 बहनों के सुहाग को उजाड़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे बांसुरी बजाना छोड़ें तथा सुदर्शन चक्र धारण कर पाकिस्तान के दो टुकड़े करने का काम करें ताकि आंतकवाद की कमर तोड़ी जा सके। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए मातृशक्ति की प्रांत सहसंयोजिका दीप्ति मित्तल ने कहा कि देश व धर्म की रक्षा के मातृशक्ति भी दुश्मन से लोहा लेने को तैयार हैं।

तीन आढ़तियों पर दस करोड़ रुपये लेकर भाग जाने का आरोप

आरोपित आढ़तियों का नहीं लगा सुराग एसपी ने सीआईए को सौंपी जिम्मेदारी

किसानों ने शहर थाना प्रभारी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नई अनाज मंडी में आढ़तियों की ओर से करोड़ों रुपये लेकर भागने के आरोप मामले में शनिवार को भाकियू के बैनी तले किसानों ने शहर थाना में पहुंचकर शहर थाना प्रभारी वीना रानी से बातचीत की तथा आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने बारे कहा। बता दें कि इस मामले में किसानों ने तीन आढ़तियों पर करीब 10 करोड़ रुपये लेकर भाग जाने का आरोप लगाया गया है, लेकिन यह राशि कितनी है। यह जांच का विषय है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, दो दिन पहले ही एसपी आस्था मोदी ने किसानों के आग्रह पर सीआईए पुलिस को भी जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस स्थित शहर थाना के साथ सीआईए पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है। अभी तक आरोपी तीनों आढ़तियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस की ओर से इन आढ़तियों के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वहीं, किसानों का आरोप है कि इन आढतियों ने एक किसान से लाखों रुपये की राशि हड़पी है। इस मामले में आढ़तियों ने किसानों से गेहूं की फसल लेकर निजी एजेंसी को बेच दी थी। शहर थाना प्रभारी ने जल्द ही आढ़तियों की ओर से बेची गई फसल को पोर्टल पर उनके नाम चढ़ाए जाने का आश्वासन दिया है। किसान नेता होशियार गिल ने कहा कि इस संबंध में किसानों द्वारा आगे की रणनीति बनाई गई, जिसमें वे वरिष्ठ अधिकारियों से मिल सकते हैं। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में दो आढ़ती और एक मिल मालिक शामिल हैं। आरोपी आढ़तियों ने किसानों को भुगतान करने के लिए अपनी दुकान पर बुलाया था, लेकिन वे खुद वहां नहीं पहुंचे और भाग गए। इस संबंध में किसानों ने दुकान के सामने प्रदर्शन भी किया। पुलिस में यह दी गई है शिकायतः इस मामले में किच्छाना गांव निवासी कृष्ण कुमार ने शहर थाना पुलिस को दी गई शिकायत में बताया था कि वह करीब सात साल से कैथल की अनाज मंडी में केशव ट्रेडिंग कंपनी व देवीदयाल रजत कुमार को अपनी दोनों सीजन की फसल बेचता आ रहा है। इसके अलावा आसपास के गांवों के भी कई किसान अपनी फसलें इन्हें बेचते हैं। उसने 12 से 15 अप्रैल को फर्म मालिक शीशपाल उर्फ माकड़ व ऋषिपाल उर्फ कालू को करीब 13 लाख रुपये की गेहूं की फसल बेची है। उक्त फर्म पर धान की फसल का भी 16 लाख रुपये बकाया है। उसने अपनी सारी गेहूं उपरोक्त फर्म के मालिकों शीशपाल व ऋषिपाल के कहने पर सांवरिया राइस ग्रेन मिल चंदाना में बेची थी। मिल का मालिक प्रवीन खुरानिया है। अन्य कई गांवों के किसानों ने भी फर्म के आढ़तियों के कहने पर सांवरिया राइस ग्रेन मिल में गेहूं की फसल बेची है। आढ़ती शीशपाल व ऋषिपाल ने उसे 22 अप्रैल को पैसे लेने बुलाया था। उसकी तरह अन्य किसानों को भी फसल के पैसे लेने के लिए बुला लिया।

कैथल। थाना शहर में पहुंच किसान। फोटो :हरिभूमि

गहनता से जांच की जा रही

शहर थाना प्रभारी गीता ने बताया कि पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर पर ताला लगा मिला

किसान जब केशव ट्रेडिंग कंपनी व देवीदयाल, रजत कुमार की दुकान पर पैसे लेने अनाज मंडी कैथल पर पहुंचे तो उनको दुकान पर कोई नहीं मिला। उनको फोन किया तो वे भी बंद मिले। शीशपाल व ऋषिपाल के घर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कैथल में पहुंचे तो घर पर ताला लगा हुआ मिला। सांवरिया राइस मिल पर गए वहां पर कोई गेहूं की फसल नहीं मिली और गार्ड के अलावा कोई भी हाजिर नहीं मिला।

अधजले शव की शिनाख्त बनी चुनौती

- पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव भम्भेवा से कुछ दूरी पर सुंदर नहर ब्रांच के निकट खेत में मिले अधजले शव के मामले में पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात दो बाइक सवारों के खिलाफ हत्या तथा शव को खुर्दबुर्द करने का मामला दर्ज किया है। मृतक की शिनाख्त फिलहाल पुलिस के लिए चुनौती बनी हुआ है। गांव भंभेवा निवासी सुरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सुंदर ब्रांच नहर के निकट अशोक, अनूप के खेतों में गेहूं के अवशेषों को मशीन से काटने का ठेका लिया हुआ है। रात को मजदूरों से खेत में आग लगने की सूचना मिलने पर वह अपने भतीजे के साथ खेत में पहुंचा। उसने देखा कि पाला के खेत में आग लगी हुई है।
वह अपने भतीजे के साथ नहर पटरी से उतर खेत में जा कर आग बुझाने लगा। उन्होने सोचा कि खेत में रखी पाइप जल गई है। जब उन्होने टार्च जला कर देखा तो 25 वर्षीय युवक की अधजली लाश पड़ी हुई थी। जब उसने मजदूरों से पूछा तो उन्होंने बताया कि बाइक सवार दो व्यक्ति खेत में देखे गए थे, जो आग लगा कर बाइक पर सवार होकर नहर पटरी से गांव निजामपुर की तरफ फरार हो गए।

कौन है मृतक, क्यों हुई हत्या

मृतक की पहचान न होना सबसे बड़ी परेशानी पुलिस के लिए बना हुआ है। हत्या के दो दिन बीत जाने के बाद भी मृतक की शिनाख्त नही हो पाई। यह तो साफ है कि युवक की हत्या कहीं और की गई है और शव को खुर्दबुर्द करने के लिए खेत मे जलाने की कोशिश की गई। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतक कौन है, हत्या क्यों हुई। हत्यारे कौन थे इन सभी सवालों को जवाब फिलहाल पुलिस के समक्ष चुनौती बना हुआ है। पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी दीवान सिंह ने बताया कि फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मृतक की शिनाख्त फिलहाल नही हो पाई है। फिलहाल शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

ड्रीम इलेवन क्रिकेट टीम के नाम पर बिजनेसमैन से ठगे पौने दो लाख

- पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ड्रीम इलेवन क्रिकेट टीम बना मुनाफा दिलाने को झांसा देकर एक पेस्टीसाइड बिजनेसमैन को एक लाख 78 हजार 480 रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सफीदों वार्ड 11 निवासी विकास गोयल ने बताया कि वह पेस्टीसाइड का बिजनेस करता है। वह ड्रीम इलेवन में टीम बना कर क्रिकेट खेलता है। गत 13 अप्रैल को उसके फोन पर कॉल आई और कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद का ड्रीम इलेवन कंपनी से बताया। व्यक्ति ने टीम बनवा कर मुनाफा दिलवाने की बात कही। मुनाफे का दस प्रतिशत देने को कहा। आरोपित ने कार्यालय तथा टीम बनाने के स्क्रीन शॉट भी भेजे। फिर यूपी आईडी देते हुए 25500 रुपये भेजने के लिए कहा और राशि के रिफंड होने की बात भी कही। राशि डालने के बाद आरोपित से 25550 रुपये डालने के बारे में कहा। जिस पर उसने राशि डाल दी। फिर आरोपित ने 48990 रुपये भेजने को कहा और 48 हजार रुपये रिफंड होने की बात कही।

शिक्षा विभाग के डीजीईई और डीएसई की अध्यक्षता में हुई वीसी

प्रवेश उत्सव को लेकर दिए दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शिक्षा विभाग के डीजीईई और डीएसई की अध्यक्षता में प्रवेश उत्सव की समीक्षा को लेकर वीडियो कान्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी सुमित्रा देवी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा, एफएलएन जिला कोऑर्डिनेर सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान इस बात पर भी चर्चा हुई कि कोई निजी स्कूल संचालक किसी विशेष दुकान से अभिभावकों को किताबें खरीदने को मजबूर करता हो तो उस पर क्या कार्रवाई हुई। इस पर अधिकारियों ने बताया कि उनके पास एक स्कूल संचालक के खिलाफ एनसीआरटी की जगह निजी प्रकाशकों की किताबें लगवाने को लेकर शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर कमेटी का गठन कर विद्यालय में विद्यार्थियों के बैग की जांच की गई थी। इस दौरान पाया गया था कि विद्यार्थियों के पास एनसीआरटी की किताबें थी। इसके अलावा प्रवेश उत्सव में छात्र संख्या को लेकर विचार विमर्श हुआ। वहीं पिछले सत्र की अपेक्षा अभी भी छात्र संख्या कम है। ऐसे में राजकीय स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान डीएसई ने कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में कुछ विद्यालय बिना मान्यता प्राप्त संचालित है, जो शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत धारा 18 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त यह भी संज्ञान में आया है कि कुछ शहरी क्षेत्रों में प्ले स्कूलों के नाम पर ऐसे संस्थान संचालित हो रहे हैं। जिनमें कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थी नामांकित हैं। यह भी शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है। कुछ गैर सरकारी संगठन और फाउंडेशन रेमिडियल क्लास के नाम पर नियमित विद्यालयी समूह में पूर्णकालिक विद्यालय संचालित कर रहे हैं। जो पूर्णत अवैध है।

जींद। वीसी में भाग लेते हुए शिक्षा अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हथियार के बल पर लूट के दो आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआइए स्टाफ सफीदों ने तेजधार हथियार के बल बल पर कोरियर कंपनी ब्वायज से नगदी व मोबाइल लूटने के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितो में एक जुनायल है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। गांव कारखाना निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह कोरियर कंपनी में डिलीवरी ब्वायज का कार्य करता है। 15 अप्रैल को देर रात को वह असंध की तरफ से बाइक पर अपने घर लौट रहा था। गांव पाजू कलां मोड पर उसके पीछे गर्दन पर पत्थर लगा। जब उसने बाइक को रोका तो उसी दौरान बाइक सवार दो युवक आए और तेजधार हथियार के बल पर उसे काबू कर लिया। जिसके बाद आरोपितों ने उससे 15 हजार रुपये की नगदी तथा मोबाइल फोन लूट लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात दो युवको के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने जांच को आगे बढाया तो गांव प्योत करनाल निवासी कमल तथा उसके साथी का नाम सामने आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित कमल तथा उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया।

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

● रिटर्न देने में एसआईपी को भी पीछे छोड़ा ● सोने के ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को भी पछाड़ा ● एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में 54.35% का रिटर्न मिला ● गोल्ड ईटीएफ में मार्च में मुनाफा वसूली देखी गई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही है। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रेसित हो रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक ऐसी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है, जिसमें सोने की कीमत को ट्रैक करने के लिए निवेश किया जाता है। यह एक ऐसी संपत्ति है जो सोने की कीमत के साथ बढ़लती है, जैसे कि अगर सोने की कीमत बढ़ती है, तो गोल्ड ईटीएफ की कीमत भी बढ़ेगी। यह भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसे शारीरिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

सोने में निवेश करने के ये भी ऑप्शन

- **सोने के सिक्के या बार :** सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- **सोने के जेवर:** सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स :** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स के फायदे:** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **सोने के शेयर:** सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **सोने के शेयरों के फायदे:** सोने के शेयरों में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म:** जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिलता। वहीं, एसबीआई निफ्टी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिलता। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निफ्टी 50 ईटीएफ एफओएफ ने 3.03% और इनवेस्को इंडिया निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

आगे मजबूती या गिरावट

एक अन्य फर्म का कहना है कि कि सोने की कीमतें अगले कुछ महीनों में मजबूत बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना, ब्याज दरों में कमी की उम्मीद, डॉलर का कमजोर होना, महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता (टैरिफ से जुड़े जोखिम सहित) और ईटीएफ में निवेश बढ़ने से सोने की कीमतों को सहारा मिल रहा है। फंड हाउस ने आगे कहा, हालांकि थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय के लिए सोने की कीमतें मजबूत रहने के संकेत है। एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 77 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि फरवरी में 1,979 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 14,852 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 183% अधिक है। मार्च में गोल्ड ईटीएफ में उलटफेर देखने को मिला, जिसमे फरवरी के 1,979.84 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 77.21 करोड़ रुपये की निकासी हुई। ये मुनाफा वसूली के लिए हुआ।

मुख्य विशेषताएं

1. **सोने की कीमत के साथ जुड़ा :** गोल्ड ईटीएफ की कीमत सोने की कीमत के साथ जुड़ी होती है, इसलिए निवेशकों को सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का लाभ मिल सकता है।
2. **एक्सचेंज पर ट्रेडिंग :** गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकता है, जैसे कि शेयर।
3. **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से निवेशकों को लिक्विडिटी का लाभ मिलता है, क्योंकि वे अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
4. **पारदर्शिता :** गोल्ड ईटीएफ की कीमतें और होल्डिंग्स पारदर्शी होती हैं, जिससे निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी मिलती है।

ऐसे करता है काम

- **भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व :** गोल्ड ईटीएफ एक यूनिट के रूप में भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, आमतौर पर एक ग्राम सोने के बराबर।
- **स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार :** इन फंड्स को शेयर बाजार में खरीदा और बेचा जा सकता है, जैसे कि अन्य स्टॉक।
- **निवेश का सरल तरीका :** यह सोने में निवेश करने का एक आसान और सुलभ तरीका है, क्योंकि भौतिक सोना खरीदने, रखने और सुरक्षित करने की तुलना में यह सरल है।
- **कम अस्थिरता :** गोल्ड ईटीएफ, इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
- **सुरक्षा :** भौतिक सोने के रूप में, यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम कर सकता है।
- **निवेश :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए, आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलना होगा। इसके बाद आप अपनी निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और समय आने पर बढ़िया मुनाफा भी कमा सकते हैं। निवेश का लंबा लक्ष्य बनाकर चलें।

कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

सुझाव
बिजनेस डेस्क

कुछ आसान से तरीके आपकी परेशानी को कर सकते हैं कम
●
लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं
●
मकान खरीदने के लिए अधिक से अधिक डाउन पेमेंट करें
●
अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर कम ब्याज दर पर लोन मिलता है

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान

जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देंगे, उतना ही कम लोन की ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं

अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किस्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें

अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुद को बचाएं।

बैंक बदलने का भी है ऑप्शन

अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जेस की जानकारी जरूर लें।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनें

फ्लोटिंग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं

अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें

अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें

अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

होम लोन के कुछ फायदे

- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जब्ती : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है, ब्याज निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है। एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर

स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है। यह निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग अलग ब्याज दरें तय होती हैं।

बैंकों में अलग अलग ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआई	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आरबीएल	4.75%-7.00%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है।

■

अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है।

पैसे निकालने का क्या है नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले आपके स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। इसका मतलब है कि अगर आपके बैंक बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड का उपयोग करके स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आपको आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। स्वीप-इन सुविधा के माध्यम से एफडी में निवेश की गई अतिरिक्त राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है। साथ ही, बैंक एफडी से स्वेप्ट-इन पैसा निकालने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते है जमा

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में अकाउंट खोलने के लिए कम से कम 1000 रुपये निवेश जरूरी, जिसके बाद 1000 रुपये के मल्टीपल में जमा हो सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में हर होल्डर का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इसमें बेनीफिट भी अच्छा मिलता है। यह स्कीम आपके भविष्य के लिए बेहतर हो सकती है।

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम की तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर कर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकांट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्पाउस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेशः 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याजः 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेशः 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 66,600 रुपये
- मंथली ब्याजः 5550 रुपये

मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेंगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसों पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट
- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइनर के नाम पर उसका गार्जियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइनर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआइएस

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआइएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

खबर संक्षेप

मुफ्त अल्ट्रासाउंड और स्वास्थ्य जांच कैंप आज

जींद। रिद्धि-सिद्धि क्लब द्वारा कुंदन सिनेमा के सामने सफीदों रोड पर 27 अप्रैल रविवार को मुफ्त अल्ट्रासाउंड, एक्सरे एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। क्लब संचालक सुभाष चंद्र अनेजा, संरक्षक राजन चिल्लाना ने बताया कि शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मुख्यअतिथि होंगे।

बच्चों ने किया मिल्क प्लांट का भ्रमण

जींद। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहिरका के छात्रों ने कंडेला में स्थित लक्ष्य मिल्क प्लांट का दौरा किया और वहां पर जितने भी दुग्ध पदार्थ बनाए जाते हैं, उनकी प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस प्रक्रिया के दौरान जितनी भी वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग होता है उसे भी समझा। स्कूल प्रबंधक वजीर सिंह ढांडा और प्रधानाचार्या सुधा शर्मा व उप प्रधानाचार्या मोनिका ने कहा कि स्कूल हमेशा वास्तविक प्रयोग शिक्षा पर बल देता है।

एनएसएस की तीसरी यूनिट का कैंप आयोजित

जींद। चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में एनएसएस की तीसरी यूनिट का एक दिवसीय कैंप आयोजित किया गया। जोकि एनएसएस काऑर्डिनेटर डा. जितेंद्र के निर्देशानुसार एवं प्रोग्राम ऑफिसर डा. ज्योति मलिक के द्वारा करवाया गया। इसमें सभी स्वयंसेवकों ने भाग लिया तथा श्रमदान द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में झील के पास के क्षेत्र की साफ.-सफाई की।

छात्रों को बताए मलेरिया से बचने के उपाय

जींद। शिरडी सांई स्कूल डोहाना खेड़ा में छात्रों को एमपीएचडब्ल्यू संदीप एवं शिव कुमारी ने मलेरिया से बचाव कैसे करें के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संदीप ने बताया कि हमें खाने-पीने की वस्तुओं को ढक कर रखना चाहिए ताकि मच्छर, मक्खी न बैठें। दूषित भोजन खाने से बच्चे जल्दी बीमार होते हैं। आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखें।

फुटबाल में छाई बीबीपुर के स्कूल की पांच छात्राएं

जींद। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बीबीपुर जींद ने राज्य स्तरीय फुटबाल गोथिया कप के अंडर-15 में शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता फरीदाबाद में 24 से 25 अप्रैल को फुटबाल फरीदाबाद मानव रचना में संपन्न हुई। इसमें राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में रोहतक और हिसार को हराते हुए जिला जींद विजेता रहा। अब यह विजेता टीम गोथिया कप खेलने के लिए स्वीडन के लिए दो अप्रैल को रवाना होगी।

बच्चों ने किया गुरूद्वारा भ्रमण

जींद। महाराजा अग्रसेन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एलकेजी कक्षा से दूसरी कक्षा तक के बच्चों को गुरुद्वारा भ्रमण के लिए लेकर गए। गुरुद्वारा सिक्खों का धार्मिक स्थान है जहां पर बिना भेदभाव के सभी लोगों के लिए लंगर की व्यवस्था की जाती है। विद्यालय प्रधान महावीर गुप्ता ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर धार्मिक व सामाजिक स्थलों के भ्रमण का आयोजन करता रहता है।

बोशिया चैलेंजर में पाया अशोक ने छठा स्थान

जींद। बहरीन की राजधानी मनामा में आयोजित वल्ड बोशिया चैलेंजर 2025 में भारत की तरफ से खेलने वाले गुरूकुल खेड़ा के खिलाड़ी अशोक कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत बीसी 3 श्रेणी में छठा स्थान हासिल किया। इस अंतरराट्रीय प्रतियोगिता में 14 देशों के 64 से अधिक खिलाडिय़ों ने भाग लिया।

विवाहिता तीन बच्चों सहित लापता, केस

कैथल। जिले में एक गांव में 32 वर्षीय विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों अपने तीन बच्चों सहित लापता हो गई। परिजनों ने जब उसकी तलाश की तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इस संबंध में विवाहिता के भाई ने कैथल के सदर थाना में शिकायत दी है।

कृषि मंत्री ने किया अनाज मंडियों का दौरा

मंडियों में किसानों को नहीं आने दी जाएगी कोई परेशानी : राणा

कृषि मंत्री ने दिया आश्वासन, जल्द होगा समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद/जुलाना

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को जींद, जुलाना, नगूरां अनाज मंडी का दौरा किया और फसल खरीद, उठान का जायजा लिया। जायजा लेने के बाद कृषि मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्होंने कई मंडियों का दौरा किया है। सभी जगहों पर पहले वर्षों की अपेक्षा अबकी बार ज्यादा लिफ्टिंग हुई है। किसी-किसी जगह पर कुछ परेशानी है, उसे भी दूर किया जा रहा है। वो नगूरां मंडी में गए तो वहां लिफ्टिंग को लेकर थोड़ी परेशानी है। जिसे दूर करवाया जा रहा है। किसानों के खातों में जल्द फसल भुगतान आने के सवाल पर कृषि मंत्री ने कहा कि वो लिफ्टिंग में तेजी लाएंगे ताकि किसानों का गेहूं गोदाम में जल्दी चला जाए और उनके खाते में पैसे जल्दी आ जाएं।

सुरजेवाला के सरकार के खरीद के दावों के सवार पर उन्होंने कहा कि जिस किसान का मंडी से अनाज जल्दी गोदाम में पहुंच जाता है, उसके पैसे जल्द मिल जाते हैं। यह सरकारी सिस्टम है लेकिन अबकी बार पहले से अच्छा है विपक्ष का काम कहना है वह कहेंगे। जुलाना की विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि प्रत्येक किसान को दो क्विंटल का नुकसान हो रहा है और सरकार पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि किसान अपने-अपने आढ़तीयों की दुकान पर गेहूं डालता है और कांटा भी उसका अपना होता है। हमें तो कोई डिफरेंस मिला नहीं बल्कि 10-20 ग्राम आढ़ती को ही नुकसान है। पहलगाम के आतंकी हमले पर उन्होंने कहा कि यह पार्टी का काम नही है बल्कि पूरे देश का सवाल है।

बेगुनाहों पर वार करना सबसे बड़ा गलत काम है। पाकिस्तान की जो सरकार है, वहां पर डेमोक्रेसी से काम नही होता है। वहां की जो विदेशी नीति है सेना बनाती है लेकिन सेना कोई चुनी हुई नही होती है। वहां की जो आर्मी का सिस्टम है वह दखल देता है। इसलिए वहां का सिस्टम ठीक नही हो सकता है। हिंदुस्तान को उसकी भाषा में ही जवाब देना है। कांग्रेस ने विनय नरवाल को शहीद का दर्जा देने की मांग कर रही है के सवाल पर कृषि मंत्री ने कहा कि नियम व कायदे आर्मी के हैं, उन नियमों के तहत आर्मी को करना है। जुलाना कस्बे की नई अनाज मंडी में शनिवार को प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा पहुंचे और मंडी में निरीक्षण के दौरान किसानों और आढ़तियों से बात की। आढ़तियों ने कहा कि मंडी में तृतीय भाग का निर्माण नही हो पा रहा है। जिसके चलते किसानों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ रहा है। किसानों को मंडी में जगह नही होने के कारण कच्चे में ही फसल उतारने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

जींद। नई अनाजमंडी का निरीक्षण करते कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो :हरिभूमि

शौचालय की सुविधा नहीं

मंडी में मजूदरों के लिए शौचालय नही होने के कारण मजूदरों को परेशानियों से होकर गूजरना पड़ रहा है। इसके अलावा जलघर से डेढ़ किलोमीटर दूर नई अनाजमंडी में पानी नही पहुंच पाया है। जिसके चलते आढ़तियों और किसानों को कैंपर खरीद कर काम चलाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात कर समाधान करने के आदेश दिए। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसानों को मंडी में फसल बेचने में कोई परेशानी नही होगी। किसानों की सेम की समस्या को दूर करने के लिए सरकार अनेकों कदम उठा रही है। अगर किसान मछली पालन करते हैं तो एक ओर तो उनकी आमदनी बढ़ेगी तो दूसरी ओर सेम की समस्या भी दूर होगी। इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी, मार्केट कमेटी सचिव कोमिला, सिकंदर सांगवान, सतीश शर्मा, विक्रम मलिक, सतीश सांगवान आदि मौजूद रहे।

सहारण खाप का कृष्ण श्योकंद पैनल को समर्थन

- मेरा मकसद- जाट धर्मशाला को उच्च स्तर पर ले जाना : श्योकंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

दस साल कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता अब जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में प्रधान पद के लिए ताल ठोक दी है। इसमें वह पूरे पैनल के साथ चुनावी दंगल में उतरे हैं। बता दें कि कुरुक्षेत्र जाट धर्मशाला में करीब 720 मतदाता हैं। यह चुनाव 30 अप्रैल को कुरुक्षेत्र धर्मशाला में जिला प्रशासन की मौजूदगी में करवाया जाना है। बता दें कि कृष्ण शुरुआती दौर से से ही छात्र नेता रहे हैं। उन्होने अपनी एम, एमएमसी और पीएचडी की पढ़ाई कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र से की है। वे

वर्ष 1997 से 2007 तक 10 साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय छात्र संघ ने प्रधान रहे तथा छात्र हितों की आवाज बुलंद की। पढ़ाई पूरी करने उपरांत वे अपने शहर नरवाना में सामाजिक संस्था के साथ जुड़कर समाजसेवा कर रहे हैं। अब होने वाले चुनाव में उनके पैनल में उपाध्यक्ष पद के लिए बनी सिहं ढुल, सचिव हेतु हरिकेश लाल सहारण, सह सचिव होशियार सिंह, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह व अन्य 6 कार्यकारी सदस्य शामिल हैं। वे लगातार दौरे पर दौरे करते हुए अपने चुनावी अभियान को तेज कर रहे हैं। उन्होंनेबाता गांव के व्हाइट रोज होटल में सहारण खाप के प्रधान साधु राम कौलेखां के साथ रामगढ, खरक, कौलेखां की पंचायत व खाप के अन्य लोगों के साथ विचार विमर्श किया। इस अवसर पर सहारण खाप व अन्य प्रतिनिधियों ने कृष्ण श्योकंद व उनके पैनल को समर्थन किया। इस अवसर पर मास्टर रायसिंह सहारण कौलेखां, गुरनाम सहारण, पूर्व सरपंच दया सहारण, अनुराग बिढान, सुरेश कुमार, राममेहर मौन, जसवंत सहारण, सुरेश सरपंच आदि उपस्थित थे।

जींद। यज्ञ में आहुति डालते हुए। फोटो :हरिभूमि

दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए किया यज्ञ

जींद। पहलगाम में शहीद होने वाले 27 निर्दोष दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए 27 कुंडीय यज्ञ किया गया। इस 27 कुंडीय यज्ञ का आयोजन शहीद स्मारक जींद पर डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा शहर की अन्य संस्थाओं से मिलकर किया गया। जिनमें सीनियर सिटीजन फोरम, हिंदी प्रेरक संस्था, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास जैसी प्रमुख संस्थाओं शामिल है। इसमें डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल मिड्ढा के सुपुत्र रुद्राक्ष मिड्ढा ने भी भाग लिया। इस मौके पर हरियाणा साहित्य अकादमी के डायरेक्टर डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि यह हमला समस्त मानवता को चुनौती है। जिसका सबको डटकर सामना करना चाहि। जींद शहर की समस्त जनता इस कार्य में सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने पर जोर दिया। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और दुखी परिवारों को सांत्वना दी।

आतंकियों को दी जाए मौत की सजा : डा. पुष्पा

जुलाना। कश्मीर के पहलगाम में आंतकियों द्वारा निर्दोष हिंदुओं की निर्मम हत्या करने वाले आतंकियों को भारतीय जनता पार्टी की सरकार मुहं तौड़ जवाब देते मौत की सजा देने का काम करेगी ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना को अंजाम देने से पहले आंतकवादी बार बार सोचने पर मजबूर होंगे। यह बात भाजपा की वरिष्ठ नेत्री डा. पुष्पा तायल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। बताया कि कश्मीर में हिंदू कोई गलत काम करने के लिए नही बल्कि कश्मीर की वादियों का नजारा लेने के लिए जाते हैं और इससे वहां पर रह रहे लोगों की आजिविका का साधन भी चलाते हैं लेकिन उसके बाद भी इस प्रकार का नरसंहार पाकिस्तानियों और उनके आतंकवादियों द्वारा करना बहुत ही निंदनीय है।

आरएन स्कूल में योग शिविर का आयोजन

पूंडरी। हरियाणा योग आयोजन एवं आयुष विभाग कैथल के संयुक्त में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 75 दिन पूर्व के कार्यक्रम के अंतर्गत योग शिविर का आयोजन जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर शकुंतला ढहिया के मार्गदर्शन में आयुष विभाग कैथल की तरफ से योग कॉर्डिनेटर सर्जन सिंह एवं योग सहायक विवेक कुमार, संदीप चहल, करनैल सिंह एवं नरेश कुमार द्वारा योग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उसके साथ-साथ आसान प्राणायाम का भी अभ्यास करवाया गया। योग सहायको द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, अनुलोम, विलोम, भ्रामरी प्रयाणयाम का अभ्यास करवाया गया। योग कॉर्डिनेटर सर्जन सिंह ने बताया कि योग एवं प्राणायाम करने से शरीर में विशेष बदलाव आते है जिससे शरीर की सभी ग्रंथियो पर विशेष प्रभाव पड़ता है।

पूंडरी। योग शिविर में अभ्यास करवाते योग सहायक। फोटो :हरिभूमि

पूंडरी। जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

पूंडरी। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरी की एनएसएस यूनिट द्वारा नशा मुक्ति अभियान को लेकर एक जागरूकता रैली निकाली गई। प्रधानाचार्य श्री गिरधारी लाल शर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी बताते हुए सजग किया। उन्होंने बताते हुए कहा कि थकान, स्मृति और विवेक का ह्रास, बुखार, अस्पष्ट ढंग से बोलना, चक्कर आना, श्वसन संबंधी समस्याएं, विषाद और मृत्यु आदि शमनकारी पदार्थ। नार्कोटिक पदार्थ (हीरोइन, अफीम) मितली, कब्ज, श्वसन संबंधी समस्याएं, सांस रुकना, चेतना हीनता जिसकी वजह से मृत्यु तक हो सकती है। इसीलिए हमें स्वयं अपने परिवार और समाज को नशे से होने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक करना चाहिए।

समारोह के लिए लगाई ड्यूटियां

जुलाना। जुलानाकस्बे की परशुराम धर्मशाला में ब्राह्मण सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा ने की। देवेंद्र शर्मा ने कहा कि आज हलके के हजारों लोग पंचकूला के देवीलाल स्टेडियम में आयोजित परशुराम जयंती में पहुंचेंगे। देवेंद्र शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के दिखाए गए मार्ग पर चलकर हमें अपने जीवन को संवारना चाहिए। संत महात्मा किसी एक जाति या वर्ग के नही बल्कि वो सर्व समाज की भलाई के लिए धरा पर जन्म लेते हैं। पंचकूला में आयोजित जयंती में पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा शिरकत करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस मौके पर त्रिलोकीराम शर्मा, रोहताश, प्रदीप शर्मा, राममेहर शर्मा, सीताराम शर्मा आदि मौजूद रहे।

जुलाना। बैठक में भाग लेते सभा के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

नगूरां गांव स्थित पीएचसी में मलेरिया दिवस मनाते स्वास्थ्य कर्मी व ग्रामीण।

विश्व मलेरिया दिवस मनाया

जींद। नगूरां पीएचसी के अधीन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उप सिविल सर्जन मलेरिया डा. बिजेंद्र ढांडा के निर्देशानुसार विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर नगूरां गांव के सभी सरकारी व नीजि स्कूलों के अलावा उप स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों, ईंट भटठों पर लोगों को मलेरिया नामक रोग के प्रति जागरूक करते हुए चांदपुर गांव में रैली निकाली। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने हमने ठाना है, मलेरिया को मिटाना है, स्लोगनों से मलेरिया के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा, पुष्पावती ने की। लोगों तथा विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने कहा कि मलेरिया मादा एनाफिलिज मच्छर के काटने से फैलता है। जब मादा एनाफिलिज गर्भवती होती है तो इसको अधिक खून की आवश्यकता होती है।

जींद। शहर में शोभा यात्रा निकालते हुए युवा। फोटो :हरिभूमि

भाईचारे का संदेश दिया

जींद। शहर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में नवीन जयहिंद मुख्यअतिथि के तौर पर पहुंचे। उनके साथ विधायक रामकुमार गौतम मौजूद रहे। जेसीबी मशीन द्वारा भोले के भक्तों, परशुराम के चेलों पर फूलों की वर्षा भी की गई। नवीन जयहिंद ने कहा कि दादा गौतम को भगवान परशुराम ने लोगों की सेवा करने धरती पर भेजा है। जयहिंद ने पहलगाम में शहीद हुए सैनिकों की शहादत पर दो मिनट का मौन धारण किया और प्रधानमंत्री अपील करते हुए कहा कि अब आर-पार हो जाना चाहिए। शोभा यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से निकली और जगह-जगह स्वागत हुआ। नवीन जयहिंद ने जन्मोत्सव में युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि 36 बिरादरी में अगर किसी के साथ भी अन्याय हो रहा हो तो उन्हें आवाज उठानी चाहिए।

बच्चों को सुंदर स्पष्ट और आकर्षक लेखन शैली विकसित करने के विशेष गुर सिखाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

- वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में भव्य हैंडराइटिंग कैंप का आयोजन

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल ने विद्यार्थियों के लेखन कौशल को निखारने के उद्देश्य से एक दिवसीय हैंडराइटिंग कैंप का आयोजन किया। इस शिविर का नेतृत्व प्रसिद्ध कैलीग्राफी विशेषज्ञ यशवीर ने किया जिन्होंने बच्चों को सुंदर स्पष्ट और आकर्षक लेखन शैली विकसित करने के विशेष गुर सिखाए। कैंप के दौरान यशवीर ने विद्यार्थियों को सही पेन पकडऩे की तकनीकए अक्षरों का संतुलित आकार बनाने के तरीके और लिखते समय उचित गति बनाए रखने जैसे व्यावहारिक टिप्स दिए। उनके मार्गदर्शन में छात्रों ने विभिन्न हैंडराइटिंग अभ्यास किए जिससे उन्हें तुरंत सुधार महसूस हुआ। विद्यालय की प्राचार्या वीणा डारा ने अपने संदेश में कहा कि सुंदर व स्पष्ट लेखन न केवल परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाता है, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर के बाद छात्रों के लेखन में स्पष्ट और प्रभावी सुधार देखने को मिला हैए जो उनकी मेहनत और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय के निदेशक इंजीनियर प्रदीप नैन ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतर लेखन एक विद्यार्थी के शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते उनके उज्वल भविष्य की कामना की और इस प्रकार के सृजनात्मक आयोजनों को समय.समय पर आयोजित करने की बात कही। हैंडराइटिंग कैंप के सफल आयोजन के बादए छात्रों में अपने लेखन को लेकर एक नई ऊर्जा और जागरूकता देखने को मिली। कई छात्रों ने अपनी पुरानी और नई हैंडराइटिंग के बीच के अंतर को खुद महसूस किया।

जींद। भार्गव को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सुप्रीम स्कूल में भार्गव को सम्मानित किया

जींद। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक गर्व का पल आया जब प्रतिभाशाली छात्र भार्गव को मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी द्वारा संत धन्ना भगत पर उनकी उत्कृष्ट लेखन के लिए सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए भार्गव को बधाई देते हुएए प्रधानाचार्य सतेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि भार्गव की यह उपलब्धि न केवल उनकी असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित करती है बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति और हमारे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने का एक अद्भुत प्रयास भी है। प्रधानाचार्य ने भार्गव को प्रशंसा और प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में एक विशेष उपहार और प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक और निदेशक शरत अत्री ने भी भार्गव को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम आर्य समाज में आयोजित तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह यज्ञ में आहुति दी

जीवन में सुख चाहने वाले प्रत्येक मनुष्य को यज्ञ जरूर करना चाहिए : आचार्या आर्याशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

वैदिक विदुषी आचार्या आर्याशा दर्शनाचार्या ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को प्रतिदिन पांच महायज्ञ अवश्य ही करने चाहिए। इन पांच महायज्ञों को करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी दुखी नहीं रह सकता है। वैदिक विदुषी आचार्या आर्याशा दर्शनाचार्या शनिवार को आर्य समाज रामनगर में आयोजित तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह के दूसरे दिन प्रातः कालीन सभा में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित कर रही थी। पंच महायज्ञों के विषय में विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करने के बाद प्रत्येक व्यक्ति को पांच श्रेष्ठ कर्म प्रतिदिन करने चाहिए। जिन्हें महर्षि दयानन्द सरस्वती ने पंच महायज्ञ कहा है। ये पांच महायज्ञ हैं ब्रह्मयज्ञ, देव यज्ञ, पितृ यज्ञ, बलिवैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। हमारे घरों का वातावरण यज्ञमय होना चाहिए। हमारे ऋषि व मुनियों ने यज्ञ को संसार का सर्वश्रेष्ठ कार्य बताया है। सुख चाहने वाले प्रत्येक मनुष्य को यज्ञ अवश्य करना चाहिए। महर्षि दयानंद द्वारा रचित अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के विषय में बोलते कहा कि अनेक ग्रंथों का सार सत्यार्थ प्रकाश मानव मात्र के लिए अमूल्य धरोहर है। देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले अनेक नौजवानों ने सत्यार्थ प्रकाश का बार-बार अध्ययन किया और उससे प्रेरणा लेकर न केवल अपना जीवन बदला अपितु राष्ट्र को स्वतंत्र कराकर भारत मां का ऋण चुकाया। इससे पूर्व सोनीपत से अयई आर्य जगत की भजनोपदेशिका तन्नु आर्या ने इतिहास की प्रेरक प्रसंगों का जिक्र करते हुए बताया कि हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। देश की संस्कृति और अस्मिता को बरकरार रखने के लिए पन्ना धाय जैसी वीरांगनाओं ने अपनी संतान तक का बलिदान कर दिया। कंवर आर्य, कर्ण सिंह आर्य, अजीत गौतम आर्य, सत्यनारायण आर्य मौजूद रहे।

जींद। तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह में प्रवचन सुनते हुए श्रद्धालु।

जींद। शिविर में भाग लेते कैडेट्स। फोटो :हरिभूमि

कार्रवाई की गई

जींद। विद्या भारती हरियाणा द्वारा संचालित गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय में तीन एनसीसी ऑफिसर, एक ट्रेनर व एक एएनओ के निरिक्षण में विद्यालय के 48 छात्र भैया, बहनों ने शारीरिक मापदंड को अच्छे प्रदर्शन के साथ पूर्ण करते हुए एनसीसी कैडेट्स ट्रायल में भाग लिया। एएनओ रामफल ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले सभी 48 बच्चों ने यह शारीरिक मापदंड भलीभांति पूरा किया। छात्रों के लिए शारीरिक मापदंड में 800 मीटर रेस, शटल रेस, मेडिकल, रिटन टैस्ट के नियम निर्धारित किए गए थे। विद्यालय में समय से एनसीसी ट्रायल को शुरू करते हुए एनसीसी ऑफिसर ने छात्रों का टेस्ट लिया। विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने एनसीसी ट्रायल में भाग लेने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के एनसीसी कैडेट्स कल देश का सैन्य बल बढ़ाएंगे।

खबर संक्षेप

ऑटो की चपेट में आने से बाइक चालक घायल

कैथल : गांव तारावाली के निकट ऑटो की चपेट में आने से एक बाइक चालक घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। तारांवाली के अर्जुन कुमार ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 17 अप्रैल को जब वह बाइक पर सवार होकर तारावाली के बस अड्डे के निकट से गुजर रहा था तो एक ऑटो चालक ने अपने ऑटो को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। हेड कॉन्स्टेबल विजेंद्र ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कलायत मंडल के सदस्यों की सूची जारी

कलायत। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कलायत मंडल पदाधिकारियों की सूची घोषित की गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की है। इसमें राजीव राजपूत को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेवारी पहले की मिल चुकी है। जबकि अब सतीश हरिपुरा, देवी प्रसन्न कुराड़, मीनाक्षी और वीरेन्द्र राणा को उपाध्यक्ष, रमेश ढूंढवा व सचिन शर्मा बात्ता को महामंत्री, नवाब सिंह कोलेखां, सुनीता कलायत, अरुण राणा बात्ता, राजकिशन राणा व सोनिया सरपंच सिंणद को सचिव, राकेश को कोषाध्यक्ष, प्रदीप मीडिया प्रभारी, राजेंद्र सरपंच आइटी प्रभारी व नीटू राणा आईटी सह प्रभारी की जिम्मेवारी देखेंगे।

किसानों की सुविधाओं का रखें विशेष ध्यान

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिला की मंडियों में रबी सीजन के तहत गेहूं की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार किसानों की उपज निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी जा रही है और उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। डीसी ने बताया कि खरीद एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को समय पर भुगतान किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाई जाए ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो।

भाजपा सफीदों मंडल की कार्यकारिणी घोषित

सफीदों । भाजपा सफीदों मंडल की मंडलाध्यक्ष गीता बिटानी ने शनिवार को अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। इस कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष राम सिंह बैरागी, सारिका मंगला, सतबीर लाड़वाल व रघुवीर कश्यप, महामंत्री प्रवीण सैनी व सुशील शर्मा, सचिव रामकुमार सहरावत, इंद्र सिंह, रीना कुमारी, सुनीता भाटिया व शीशपाल जैरी तथा कोषाध्यक्ष पूनम सिंगला मित्तल को बनाया गया। भाजपा सफीदों मंडल की नवनियुक्त पदाधिकारी नियुक्त करने पर सफीदों मंडल अध्यक्ष गीता बिटानी ने प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली, संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल व जिला प्रभारी प्रोफेसर मदन गोयल का आभार प्रकट किया गया। मंडलाध्यक्ष गीता बिटानी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को कहा कि वे दिन-रात एक करके पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाएं और पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

सौहार्द, कानून व्यवस्था, शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें सभी नागरिक

प्रशासन पहलगाम घटनाक्रम को लेकर पूरी तरह से सजग व सतर्कः एसडीएम

क्षेत्र में शांति बनाए रखने को लेकर विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

गुहला-चीका। एसडीएम कै प्रमेश सिंह अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते।

डीसी प्रीति के निर्देशानुसार क्षेत्र में शांति बनाए रखने को लेकर विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने की। उन्होंने सभी से सामाजिक सौहार्द, कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने की अपील की गई। एसडीएम ने बताया कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला बहुत दुखद घटना है। अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को हैं। इस बैठक में सभी धर्म से जुड़े लोगों ने भाग लिया। सभी से हल्के मे शांति-व्यवस्था को कायम रखने की अपील की गई। उन्होंने सभी से अपील की किसी भी अफवाह या बहकावे में ना आये और किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफोर्म या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी भड़काऊ भाषण देने से बचें। ऐसा कार्य न करें जिससे समाज में अराजकता फैले। अगर किसी भी प्रकार की सूचना मिलती है तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन और पुलिस इस घटनाक्रम को लेकर पूरी तरह सजग और सतर्क है। साथ ही हर परिस्थिति की मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी व्यक्ति को सामाजिक सौहार्द, शांति एवं कानून व्यवस्था को भंग नहीं करने दिया जाएगा। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

गलत अफवाहें न फैलाएं

एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने खंड स्तर पर शांति बनाए रखने के लिए पंचायत विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर क्षेत्र में शांति बनाए रखने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते कहा कि ग्राम स्तर पर कमेटी बनाकर शांति बनाए रखना सुनिश्चित करें किसी भी तरह की गलत अफवाहें न फेलने दे । असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परस्पर सौहार्द और सामाजिक एकता को भंग करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नरवाना। आज श्री श्याम बाल वाटिका स्कूल में उन निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई जो हाल ही में पहलगाम में आतंकवादियों के कायराना हमले का शिकार हुए। विद्यालय के छात्रों ने इस अवसर पर एक मार्मिक कविता प्रस्तुत कर शहीदों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बच्चों ने नाटक के माध्यम से आतंकवाद की ृंसता को उजागर करते हुए समाज को जागरूक रहने का संदेश दिया और एकजुट होकर आतंक के विरुद्ध खड़े होने का संकल्प लिया। विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने मोमबत्तियाँ जलाकर शहीदों को नमन किया ।और देश की एकता व अखंडता के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने भावुक होते हुए कहाएश्री श्याम बाल वाटिका परिवार इस अमानवीय घटना की घोर निंदा करता है और उन सभी निर्दोषों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हैजिन्होंने आतंकवाद की इस भयावहता में अपने प्राण गवाए। हम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

शहीद पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में कश्मीर में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की गई। विद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि देश में कहीं भी होने वाली हिंसा पूरे समाज को झकझोर देती है। उन्होंने कहा कि पर्यटक हमारे देश की सुंदरता और एकता के प्रतीक होते हैं और उनके साथ हुई इस अमानवीय घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है।छात्र छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने मोमबत्तियां जलाकर शांति और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कामना की कि भगवान मृतकों की आत्मा को शांति और उनके परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।विद्यालय परिवार ने सरकार से अपील की कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और देशवासियों से एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने शहर में किया प्रदर्शन

कलायत। पहलगाम में आंतकी हमले के खिलाफ विभिन्न संगठनों के साथ-साथ विद्यार्थियों का भी खून खोलने लगा है। शनिवार को मानवता पर हुए हमले को लेकर शिक्षा भारती स्कूल के शिक्षक और विद्यार्थी सडकों पर उतरे। कारवां को शिक्षण संस्थान प्रबंध समिति चेयरमैन कुलदीप सिंह, प्रबंध निदेशक जितेंद्र सिंह और सचिव वीरेंद्र सिंह द्वारा भारत माता के उद्घोष के साथ रवाना किया। चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित शिक्षण संस्थान की सीनियर विंग से शहर के रेलवे रोड पर स्थित जूनियर विंग तक शिक्षकों-विद्यार्थियों ने पैदल मार्च करते हुए देश के बलिदानियों के लिए न्याय की मांग की।

आतंकी हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पूंडरी। अकाल अकादमी हाबड़ी में हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने हेतु एक विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन प्रिंसिपल गुरप्रीत कोर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। इस अवसर पर सुखमनी साहिब का पाठ किया गया और हमले में शहीद हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक अरदास की गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से हमले की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई।विद्यालय के प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की घटनाएं मानवता के खिलाफ है।

पहलगाम कांड के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

नरवाना। नरवाना में देर शाम शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पहलगांव हत्या काण्ड के विरोध स्वरूप भगतसिंह अध्ययन केन्द्र से शुरू कर के स्वतन्त्रता सेनानी सुभाष चन्द्र बोस चौक तक निकाला कैंडल मार्च। नरवाना रेहड़ी युनियन के प्रधान रोशन लाल ने बताया कि शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इस कैंडल मार्च में शामिल हुए और उन्होंने आपसी भाईचारा कायम रखने की अपील की। इस कैंडल मार्च में विभिन्न धर्मों और जातियों के प्रतिनिधि शामिल थे। मुस्लिम समाज से प्रधान रोशन सुभाष चन्द्र एडवोकेट । संयुक्त किसान मोर्चा से मास्टर बलबीर सिंहए शीशपाल गलाडी?। ज्ञान विज्ञान कमेटी से सुरेश कुमारएजन संघर्ष कमेटी से सतबीर सिंहए कर्मचारी संघ से ईश्वर सिंह सच्चा खेड़ा।रिटायर कर्मचारी संघ से प्रदीप शर्मा व मेंअन्य विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

पहलगाम में घटित आतंकी हमला मानवता विरोधी

जींद। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार को हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को कैंडल जला कर श्रद्धांजलि दी। चिकित्सकों ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एचसीएमएस एसोसिएशन प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डा. जेके मान, डा. संकल्प डोडा, डा. विनिता, डा. हीना, डा. संतलाल, डा. पूनम, डा. विशाल पोरस, डा. सुरजीत, डा. राजेंद्र बिश्नोई, मैट्रन इंद्रो, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुनीता, सरोज खन्ना व सुपरवाइजर हरीश, अमित, मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ, एनएचएम कर्मचारी, हरियाणा कौशल रोजगार कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाजसेवा में उम्र आड़े नहीं आतीः डा. स्वपन

■ युवा वर्ग को जागरूक करने में जुटे 72 वर्षीय सेवानिवृत नेत्र रोग चिकित्सक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

यदि मन में समाजसेवा का जज्बा है तो उम्र कभी आड़े नहीं आती। यह कहना है कि सेवानिवृत नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. स्वपन का। डा. स्वपन सेवानिवृति के उपरांत भी तमलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सप्ताह में 2 दिन बिना किसी पारिश्रमिक के विद्यार्थियों की कक्षा लेते हैं। उनका कहना है कि युवा वर्ग को यदि सही समय पर उचित मार्गदर्शन मिल सके तो वे अपनी ऊर्जा का सही उपयोग कर सकते हैं।

डा. स्वपन शनिवार को कैथल के करनाल रोड स्थित गुप्ता अस्पताल में डा. विकास गुप्ता से मिले। उन्होंने अस्पताल का मुआयना किया। यहां मरीजों से बातचीत की तथा अस्पताल की ओर से दी जा रही सुविधाओं पर संतोष जताया। डा. विकास गुप्ता ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डा. कविता गोयल, हरचरण छाबडा, मनोज कवात्रा, डा. अश्वनी खुराना, विजय गोयल, सुषम कपूर, नरेंद्र निझावन, खुशी राम दलाल, राजेश नरड, हिम्मत सिंह छौत, रविंद्र, वीके चावला, वीरेंद्र मेहता आदि उपस्थित थे। इसके उपरांत वे आक्सफोर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में गए तथा वहां पर विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कैथल। नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. स्वपन को सम्मानित करते डा. विकास गुप्ता।

बता दें कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. स्वपन छत्तीसगढ़ के रायगढ़ मेडिकल कॉलेज से सेवानिवृत होने के बाद निरंतर समाज सेवा में जुड़े हैं। जहां उनके द्वारा उनके पैतृक गांव सिलिका दामोदरपुर में निशुल्क चित्रकला स्कूल की स्थापना की गई है। इस स्कूल में 12 वर्ष तक के लगभग 70 बच्चों को तीन दिन तक सप्ताह में फ्री कक्षाएं लेते हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए फीमेल एंपावरमेंट सेंटर भी बनाया है जहां 6 महीने का सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता है प्रशिक्षण शुरू करने के बाद महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान की जाती हैं ताकि वह स्वावलंबी बन सकें। स्वप्न का कहना है कि उनके पिता ने उन्हें सही मार्गदर्शन दिया जिस कारण में एक सफल चिकित्सक बन पाए।

जवाहर पार्क में सर्व कर्मचारी संघ की बैठक

एक को प्रदर्शन और सभा का आयोजन होगा : शिवचरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

1 मई को दूनिया भर में मजदूर दिवस का आयोजन किया जाता है। इसकी तैयारी को लेकर ट्रेंड यूनियनों, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ व किसान सभा की सयुक्त बैठक जवाहर पार्क में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान शिवचरण की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने बताया कि कैथल ,चीका व कलायत में मई दिवस के शहीदों को श्रद्धांजलि देने व शोषण के खिलाफ संघर्ष जारी रखने के उनके रास्ते पर आगे बढ़ने के संकल्प के साथ मनाया जाएगा।

किसान सभा नेता सतपाल आनन्द व सीटू नेता नरेश रोहेड़ा ने बताया कि मजदूर दिवस का इतिहास संघर्षों का रहा है अपने शोषण से मुक्ति के लिए उन्होंने बहुत शहादतें दी है और आज भी देश की आजादी के बाबजूद बेहतर समाज बनाने , रोजगार गारंटी ,व पक्के रोजगारों के लिए लड़ रहे हैं।जबकि श्रम कानूनों में बदलाव करके फिर से उनके काम के घण्टे बढ़ाने , यूनियन बनाने पर रोक लगाने , हमेशा कच्चा रखने आदि के कानून बनाए जा रहे हैं।आने वाली बीस मई को देशभर के मजदूर कर्मचारी व मेहनतकश जनता राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने जा रहे है।

कैथल। बैठक में विचार विमर्श करते कर्मचारी नेता। फोटो : हरिभूमि

लिंग जांच करवाने वाले की सूचना स्वास्थ्य विभाग को दें : डा. संदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मुख्य मुख्य चिकित्सा डॉक्टर रेनू चावला के निदेर्शानुसार वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर संदीप सिंह की अध्यक्षता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में डॉक्टर संदीप सिंह ने स्कूल से आए बच्चों व अस्पताल में आए मरीजों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह ने बताया कि राजौंद क्षेत्र में बेटियों की संख्या में काफी गिरावट देखी जा रही है।इसका मुख्य कारण जांच करवाना व बेटी को बेटे से कम आंकना है। उन्होंने कहा कि आजकल बेटियां हर क्षेत्र में चाहे शिक्षा, खेल, व्यापा,र तकनीकी इत्यादि में बेटियों बेटों से ऊपर हैं। उन्होंने कहा कि यदि आपके आसपास कोई दंपति लिंग जांच करवाता है या पैसों से करवाता है तो इसकी सूचना तुरंत सरकारी अस्पताल में दें। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा और सूचना सही पाए जाने पर सूचना देने वाले को एक लाख रुपए इनाम के रूप में दिया जाएगा।

एनएमएमएस परीक्षा परिणाम में छाया कैथल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

■ जिले से कुल 130 विद्यार्थियों का हुआ चयन, 95 लड़कियां शामिल

राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा (एनएमएमएस) के परिणामों में जिला कैथल ने प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले से कुल 130 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। पूरे कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागट की विशेष भूमिका रही है। उनके प्रयासों से जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों को आदरणीय गुरुजनों द्वारा एनएमएमएस की कोचिंग उपलब्ध कराई गई, जिससे विद्यार्थियों ने यह शानदार प्रदर्शन किया।

जिला गणित विशेषज्ञ एवं जिला नोडल अधिकारी छत्रपाल ने बताया कि जिले से कुल 130 विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिसमें 95 लड़कियां और 35 लड़के शामिल हैं। कैटेगरी वाइज चयनित विद्यार्थियों की बात की जाए तो सामान्य से 20 विद्यार्थी, बीसी-ए से 47, बीसी-बी से 23, एससी वर्ग से 40 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। जिला नोडल अधिकारी छत्रपाल ने बताया कि यदि चयनित विद्यार्थी सरकारी स्कूल में अध्ययनरत रहते हैं तो उन्हें नवमी कक्षा से 12वीं कक्षा तक प्रतिमाह 1000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। छात्रवृत्ति के लिए हर वर्ष विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य रहेगा। आवेदन प्रक्रिया के दौरान संबंधित स्कूल नोडल अधिकारी और फिर जिला नोडल अधिकारी छत्रपाल द्वारा सत्यापन किया जाएगा। तत्पश्चात राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी सत्यापन होगा।

उन्होंने आगे बताया कि जिन विद्यार्थियों ने 7वीं कक्षा में राजकीय विद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और वर्तमान में 8वीं कक्षा भी राजकीय विद्यालय में पढ़ रहे हैं, वे इस योजना के पात्र होते हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाती है। उन्होंने कहा कि कैथल ने पूरे हरियाणा राज्य में चौथा स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि सही दिशा में प्रयास किए जाएं तो बड़ी उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है।

यातायात नियमों का पालन करें सभी जिलावासी : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी प्रीति ने सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी प्रीति ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्हें बताया जाए कि यदि हम नियमों का सही पालन नहीं करेंगे तो उनकी स्वयं की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, वहीं समाज के अन्य लोगों को भी काफी प्रभावित करती है। हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सीट बेल्ट लगाए, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें। यातायात पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारी और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है।

पितरों को खुश करने के लिए विशेष फलदाई बैसाख अमावस्या : नवीन शास्त्री

बैसाख अमावस्या पर पितृ तर्पण का विशेश महत्व

बैसाख अमावस्या पर आज लगाएंगे श्रद्धा की डुबकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदू पंचांग के अनुसार अप्रैल माह की वैशाख अमावस्या रविवार को है। वैशाख अमावस्या पर लोग अपने पूर्वजों का तर्पण और पिंडदान करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार अमावस्या के दिन इन कामों को करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों की कृपा से जीवन में सुख व समृद्धि बनी रहती है। वहीं पितरों के नाराज होने पर अगर वैशाख अमावस्या के दिन पितृ तर्पण किया जाए तो वह बेहद लाभदायी होता है। अमावस्या तिथि रविवार देर रात एक बजकर एक मिनट तक रहेगी। 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 19 मिनट तक प्रीति योग रहेगा। साथ ही 27 अप्रैल को रात 12 बजकर 39 मिनट तक अश्विनी नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा वैशाख अमावस्या पर श्रद्धालु पिंडारा तीर्थ में स्नान कर पितरों का तर्पण करेंगे।

जींद। पिंडारा तीर्थ, जहां आज श्रद्धालु लगाएंगे श्रद्धा की डुबकी।

विशेष फलदाई अमावस्या

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अमावस्या के दिन पितरों को जल अवश्य अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन पर बना रहता है। इस दिन पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। रविवार को बैसाख अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी, देवता के ध्यान से करें। इसके बाद पवित्र नदी या फिर घर में स्नान करें। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। पितरों का तर्पण करें। इसके अलावा पितरों की आत्मा की शांति के लिए व्रत भी रखें और मंत्रो का जाप करें। अंत में अपनी श्रद्धा अनुसार विशेष चीजों का गरीबों को दान करें।

पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान से पूर्वजों को मिलत है मोक्ष

पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर रविवार को बैसाख अमावस्या पर श्रद्धालु सरोवर में स्नान, पिंडदान करके करके तर्पण करेंगे। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किद्वंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है।

आशीष कौशिक हाईकोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी में अधिवक्ता के रूप में नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

युवा अधिवक्ता आशीष कौशिक को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी चंडीगढ़ में लीगल एड काउंसल के पद पर नियुक्त किया गया है। आशीष कौशिक की यह नियुक्ति समाज के उन तबकों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण न्याय के लिए संघर्ष करते हैं। लीगल एड काउंसल के रूप में वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाएंगे। यह जिम्मेदारी न केवल एक गौरवपूर्ण दायित्व हैए बल्कि समाज सेवा का भी एक प्रभावशाली माध्यम है। आशीष कौशिक ने विधि की पढ़ाई पूरी कर एक समर्पित अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वे प्रारंभ से ही जनहित, मानवाधिकार और कमजोर वर्गों के अधिकारों को लेकर संवेदनशील रहे हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, निपुणता और मानवीय दृष्टिकोण की झलक मिलती है। उनकी यही विशिष्टता उन्हें इस महत्वपूर्ण पद हेतु उपयुक्त बनाती है। इस सफलता पर जींद जिले के अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

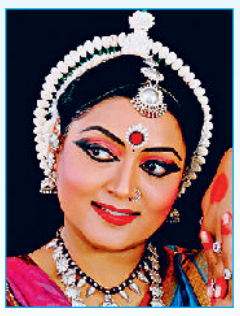

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

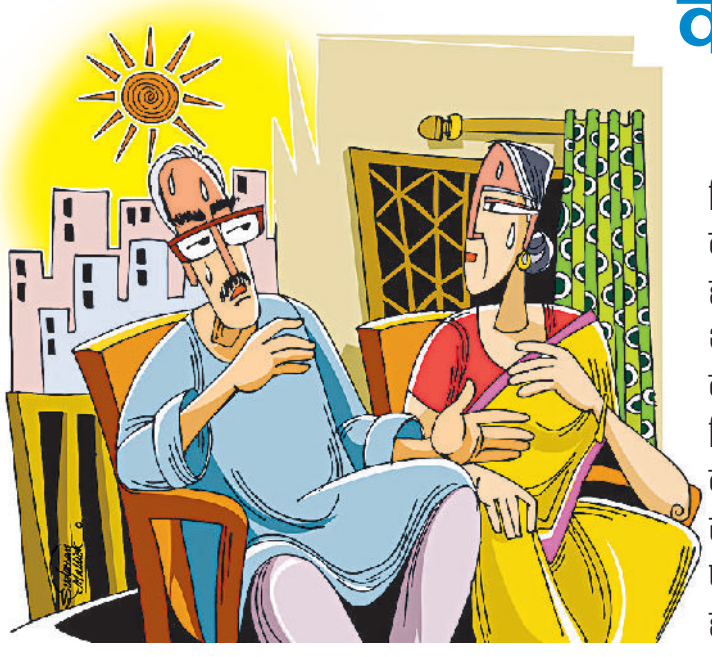

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

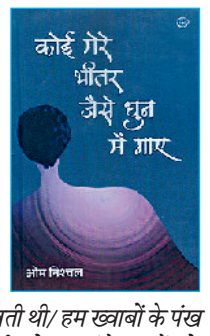

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।